जब जब कन्हैया ने चुनरी भिगाई होली आई भजन लिरिक्स

जब जब कन्हैया ने,
चुनरी भिगाई,
होली आई होली आई,
होली आई होली आई,
राधा ने जब जब,
रंगोली सजाई,
होली आई होली आई,
होली आई होली आई।bd।

वृन्दावन के कुञ्ज गलिन में,
नाच रहे नर नारी सब,
भर पिचकारी गोपियों ने मारी,
यूँ लागे बनवारी सब,
कोयल ने कुहुँ कुहुँ करके जो,
मीठी ठान सुनाई,
होली आई होली आई,
होली आई होली आई।bd।

प्रीतम मोहे रंग लगाने,
सात समंदर से आओ,
राधा कान्हा संग खेलत है,
मो पे पिया तरस खाओ,
तन मन डोला जब पिया ने,
दर पे सूरत दिखाई,
होली आई होली आई,
होली आई होली आई।bd।

जब जब कन्हैया ने,
चुनरी भिगाई,
होली आई होली आई,
होली आई होली आई,
राधा ने जब जब,
रंगोली सजाई,
होली आई होली आई,
होली आई होली आई।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट के अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com